जल संरक्षण हमारे अध्यात्म-धर्म का हिस्सा: मोदी

विस, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल सुरक्षा को भारत के लिए अहम दायित्व बताते हुए गुरुवार को कहा कि यह हमारी साझी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें देशवासियों में जल संरक्षण के मूल्यों के प्रति फिर से प्राचीन आस्था पैदा करनी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे यहां कहा गया है कि हम जल को नष्ट न करें उसका संरक्षण करें। यह भावना हजारों वर्षों से हमारे आध्यात्म-धर्म का हिस्सा है। यह हमारे समाज की संस्कृति है हमारे सामाजिक चिंतन का केंद्र है। इसलिए हम जल को देव की संज्ञा देते हैं नदियों को मां मानते हैं।' मोदी ने कहा, 'हमें देशवाासियों में जल संरक्षण के मूल्यों के प्रति फिर से वैसी ही आस्था पैदा करनी होगी। हमें हर उस विकृति को भी दूर करना होगा जो जल प्रदूषण का कारण बनती है।' PM राजस्थान के आबूरोड में ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'जल जन अभियान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह अभियान ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब पानी की कमी को पूरे विश्व में भविष्य के संकट के रूप में देखा जा रहा है। 21वीं सदी में दुनिया इस बात की गंभीरता को समझ रही है कि हमारी धरती के पास जल संसाधन कितने सीमित हैं। आजादी के अमृतकाल में आज देश 'जल को कल' के रूप में देख रहा है। जल रहेगा तभी आने वाला कल भी रहेगा और इसके लिए हमें मिलकर आज से ही प्रयास करने होंगे।'

nwda.gov.in